उ. प्र. लोक सेवा आयोग/माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड द्वारा
आयोजित परीक्षाओं हेतु
पी.जी.टी./जी.आई.सी./जी.डी.सी./डायट/
असिस्टेंट प्रोफसेर/एन.टी.ए. यू.जी.सी. नेट जे.आर.एफ.
(PGT/GIC/GDC/DIET/Asst. Professor/
NTA UGC NET/JRF/SET/CG BEO)

शिक्षाशास्त्र

अध्यायवार सॉल्व्ड पेपर्स

प्रधान संपादक
आनंद कुमार महाजन

संपादन एवं संकलन
परीक्षा विशेषज्ञ समिति

कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण, चरन सिंह

संपादकीय कार्यालय
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com/www.yctbooksprime.com

© All Rights Reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा
सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने आर.ए. सिक्योरिटी प्रिन्टर्स, प्रयागराज से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सहयोग एवं सुझाव सादर अपेक्षित है।

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

मूल्य : 795/-

विषय-सूची

शिक्षाशास्त्र

- शिक्षा का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, विषय क्षेत्र, उद्देश्य एवं शिक्षा के अभिकरण 7-16
- प्राथमिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा एवं उच्च शिक्षा के भारत में स्वरूप, संगठन, नियंत्रण, मूल्यांकन एवं सम्बन्धित समस्या 17-38
- शिक्षा का दर्शन 39-65
- महात्मा गाँधी, रविन्द्र नाथ टैगोर, अरविन्द, मालवीय एवं विवेकानन्द के शैक्षिक विचार 66-90
- आदर्शवाद, प्रकृतिवाद, प्रयोजनवाद, यथार्थवाद एवं अस्तित्ववाद के शिक्षा का उद्देश्य, पाठ्यक्रम विधियाँ एवं अनुशासन 91-123
- शैक्षिक समाजशास्त्र 124-142
- शिक्षा का नगरीकरण एवं आधुनिकीकरण 143-146
- सामाजिक स्तरीकरण, सामाजिक परिवर्तन एवं शिक्षा सम्प्रदाय शिक्षा 147-171
- शिक्षा में नवाचार 172-191
- भारतीय शिक्षा का इतिहास एवं समस्याएँ 192-209
- स्वतंत्रता के पश्चात् भारतीय शिक्षा की विशेषताएँ एवं उनका आधुनिक शिक्षा पर प्रभाव 210-213
- स्वतंत्र भारत में शिक्षा का संवैधानिक स्वरूप एवं विभिन्न आयोगों की संस्तुतियाँ एवं मूल्यांकन 214-249
- शिक्षा की ज्वलन्त समस्याएँ 250-255
- शिक्षा मनोविज्ञान 256-268
- विकास एवं अभिवृद्धि 269-289
- व्यक्ति एवं वैयक्तिक भिन्नताएँ 290-309
- सीखना-नियम एवं विभिन्न सिद्धान्त 310-353
- अभिप्रेरणा एवं सीखने का स्थानान्तरण 354-362
- बुद्धि सिद्धांत एवं बुद्धि मापन 363-384
- मानसिक स्वास्थ्य एवं शिक्षा में इनका महत्व 385-393
- चिंतन, तर्क, समस्या-समाधान, सृजनात्मकता, स्मृति-विस्मृति, प्रत्यय निर्माण का अर्थ एवं शैक्षिक निहितार्थ 394-419
- शैक्षिक मापन मूल्यांकन एवं सांख्यिकी 420-494
- शिक्षा में शोध 495-572
- अध्यापक शिक्षा 573-611
- पाठ्यचर्या अध्ययन 612-627
- शिक्षण के सिद्धान्त, सूत्र युक्ति तथा शिक्षण प्रतिमान एवं शिक्षण विधियाँ 628-637
- शिक्षा में/के लिए प्रौद्योगिकी 638-659
- शैक्षिक प्रबंधन, प्रशासन एवं नेतृत्व 660-674
- समावेशी शिक्षा 675-703
- विविध 704-800

पाठ्यक्रम – प्रवक्ता

शिक्षा शास्त्र -

शिक्षा का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप (औपचारिक/अनौपचारिक/औपचारिकेत्तर) एवं विषय क्षेत्र, शिक्षा का उद्देश्य एवं शिक्षा के अभिकरण, प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा का उत्तर प्रदेश में स्वरूप एवं संगठन, महात्मा गाँधी, टैगोर, अरविन्द, मालवीय, विवेकानन्द के शैक्षिक विचार, शिक्षा में नवाचार-जीवन पर्यन्त शिक्षा, सतत् शिक्षा, जनसंचार साधन, और शिक्षा दूरशिक्षा एवं खुला विद्यालय, भारतीय शिक्षा का इतिहास एवं समस्यायें-वैदिक कालीन, बौद्धकालीन, मध्ययुगीन, ब्रिटिश कालीन एवं स्वतंत्रता के पश्चात भारतीय शिक्षा की विशेषताएं उनका आधुनिक शिक्षा पर प्रभाव, स्वतंत्र भारत में शिक्षा का संवैधानिक स्वरूप एवं विभिन्न आयोगों की संस्तुतियाँ एवं मूल्यांकन, भारत में प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में नियन्त्रण, मूल्यांकन एवं सम्बन्धित समस्याओं की विवेचना, शिक्षा की ज्वलन्त समस्याएं – राष्ट्रीय एकता एवं शिक्षा, शिक्षित बेरोजगारी, भाषा – विवाद, छात्र-अशान्ति, नैतिक शिक्षा, शिक्षा का गिरता स्तर एवं बालिकाओं शिक्षा।

शिक्षा का दर्शन एवं समाजशास्त्र–

शिक्षा एवं दर्शन का सम्बन्ध, शिक्षा – दर्शन का स्वरूप एवं महत्व शिक्षा – दर्शन की विभिन्न संस्थाएं – आदर्शवाद, प्रकृतिवाद, प्रयोजनवाद, यथार्थवाद के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य पाठ्यक्रम विधियाँ एवं अनुशासन शैक्षिक समाजशास्त्र – अर्थ एवं विषय क्षेत्र, संस्कृति एवं शिक्षा का नगरीकरण एवं आधुनिकीकरण, सामाजिक स्तरीकरण एवं सामाजिक परिवर्तन एवं शिक्षा सम्प्रदाय एवं शिक्षा, धर्म एवं शिक्षा।

शिक्षा मनोविज्ञान–

अर्थ क्षेत्र एवं महत्व, विकास एवं अभिवृद्धि, बालक की शैशवावस्था में शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं संवेगात्मक विकास एवं शिक्षा में उनका महत्व, व्यक्तित्व एवं वैयक्तिक भिन्नताएं व्यक्तित्व का मापन, शिक्षा में इनका महत्व सीखना-नियम एवं विभिन्न सिद्धान्त, थार्नडाइव, पैवलव, कोहलर, कोफ्ता, रिकनपर एवं हब के सीखने के सिद्धान्तों की विवेचना एवं शैक्षिक निहितार्थ, अभिप्रेरणा एवं सीखने का स्थानान्तरण, वृद्धि-स्वरूप, सिद्धान्त एवं बुद्धिमापन, मानसिक स्वास्थ्य एवं शिक्षा में इसका महत्व, चिन्तन, तक समस्या समाधान,सृजनात्मकता, स्मृति-विस्मृति, प्रत्यय निर्माण का अर्थ एवं शैक्षिक निहितार्थ।

शैक्षिक मापन मूल्यांकन एवं सांख्यिकी-

शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन का अर्थ, क्षेत्र, उद्देश्य निबन्धात्मक एवं वस्तुनिष्ठ परीक्षण, विश्वसनीयता, वैधता एवं मानक का निर्धारण, उपलब्धि परीक्षण का निर्माण एवं विभिन्न पदों की विवेचना, निष्कर्ष, सन्दर्भित तथा मानक सन्दर्भित मापन, ग्रेड प्रणाली, प्राप्तांको का ग्रेड में परिवर्तन, संरचनात्मक तथा योगात्मक योगात्मक मूल्यांकन की विधियां-साक्षात्कार, निरीक्षण रेटिंग एवं उपकरण स्केल, प्रश्नावली, शिक्षा में सांख्यिकी की उपयोगिता, केन्द्रित प्रवृत्ति के मापन-माध्यमान, मध्यांक व बहुलक की गणना व व्याख्या, विचरणशीलता माप-मानक विचलन, चतुर्थांश, शतांक, विसरण, प्रयोग एवं उपयोग मानक प्राप्तांक, टी प्राप्तांक, जेड प्राप्तांक एवं स्टेनाइन, सामान्य प्रायकिता वक्र (Probability Curve) विशेषता एवं विविध उपयोग, सहसम्बन्ध गुणांक-रैंक सहसम्बन्ध (स्वीयरमैन्स) (रो) गणना एवं विश्लेषण।

शिक्षाशास्त्र विषय का नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार अध्यायवार विभाजित PGT परीक्षा हेतु विभिन्न आयोग के प्रश्न-पत्रों का विश्लेषण चार्ट

क्र.	परीक्षा का नाम	परीक्षा वर्ष	प्रश्नों की सं.
	माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड, उत्तर प्रदेश		
A.	**प्रवक्ता चयन परीक्षा (PGT)**		
	प्रवक्ता चयन परीक्षा (PGT), 2000	2000	100
	प्रवक्ता चयन परीक्षा (PGT), 2002	2002	85
	प्रवक्ता चयन परीक्षा (PGT), 2003	2003	85
	प्रवक्ता चयन परीक्षा (PGT), 2004	2004	125
	प्रवक्ता चयन परीक्षा (PGT), 2005	2005	125
	प्रवक्ता चयन परीक्षा (PGT), 2009	2009	125
	प्रवक्ता चयन परीक्षा (PGT), 2011	2016	125
	प्रवक्ता चयन परीक्षा (PGT), 2013	2015	125
	प्रवक्ता चयन परीक्षा (PGT), 2016	2019	125
	प्रवक्ता चयन परीक्षा (PGT), 2021	2021	125
B.	**उ.प्र. लोक सेवा आयोग (जी.डी.सी./जी.आई.सी./डायट) द्वारा आयोजित परीक्षायें**		
	राजकीय डिग्री कालेज (GDC) असि. प्रोफेसर परीक्षा, 2019	2019	120
	राजकीय डिग्री कालेज (GDC) असि. प्रोफेसर परीक्षा, 2017	2017	120
	राजकीय डिग्री कालेज (GDC) असि. प्रोफेसर परीक्षा, 2013	2013	120
	राजकीय डिग्री कालेज (GDC) असि. प्रोफेसर परीक्षा, 2012	2012	120

	राजकीय डिग्री कालेज (GDC) असि. प्रोफेसर परीक्षा, 2008	2008	120
	राजकीय इण्टर कालेज (GIC) प्रवक्ता परीक्षा, 2021	19 Sept. 2021	100
	राजकीय इण्टर कालेज (GIC) प्रवक्ता परीक्षा, 2012	2012	100
	डायट (DIET) प्रवक्ता परीक्षा, 2014	2014	100
	राजकीय डिग्री कालेज (GDC) B.Ed. असि. प्रोफेसर परीक्षा, 2013	2013	120
	राजकीय डिग्री कालेज (GDC) B.Ed. असि. प्रोफेसर परीक्षा, 2012	2012	120
	राजकीय डिग्री कालेज (GDC) B.Ed. असि. प्रोफेसर परीक्षा, 2008	2008	120
C.	**उ.प्र. उच्च शिक्षा सेवा चयन परीक्षा**		
	असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा, 2021	2021	70
	असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा, 2018	2018	70
	असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा, 2014	2014	70
	असिस्टेंट प्रोफेसर B.Ed. परीक्षा, 2021	2021	70
	असिस्टेंट प्रोफेसर B.Ed. परीक्षा, 2014	2014	70
D.	**यू.जी.सी. नेट परीक्षा**		
	यू.जी.सी. नेट/जे.आर.एफ. 2004-2023 (50 प्रश्न पत्र)	Dec 2004-Dec 2023	3425
E.	**अन्य परीक्षायें**		
	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग राजकीय डिग्री कालेज प्रवक्ता (GDC) परीक्षा, 2017	2017	100
	छत्तीसगढ़ खण्ड शिक्षा अधिकारी परीक्षा, 2014	2014	150
	कुल प्रश्न-पत्र = 78		**6430**

नोट-उपरोक्त प्रश्न-पत्रों के सम्यक विश्लेषण के उपरान्त यथासंभव समान प्रकृति एवं प्रवृत्ति से बचते हुए **शिक्षाशास्त्र** से सम्बन्धित कुल **6430** प्रश्नों को अध्यायवार प्रस्तुत किया गया है। दुहराव वाले प्रश्नों का परीक्षा वर्ष एवं परीक्षा नाम यथास्थान निर्दिष्ट कर दिया गया है।

पूर्व परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नों का विश्लेषणात्मक पाई चार्ट एवं बार ग्राफ

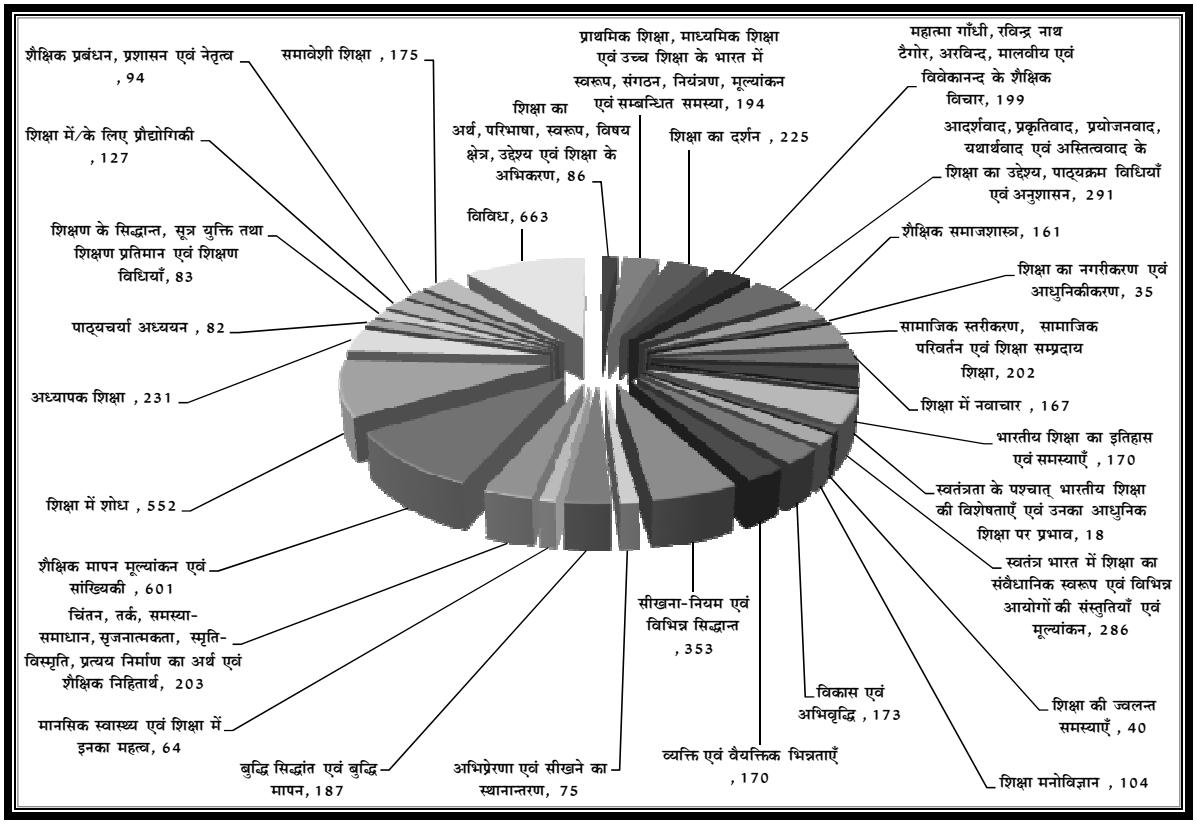

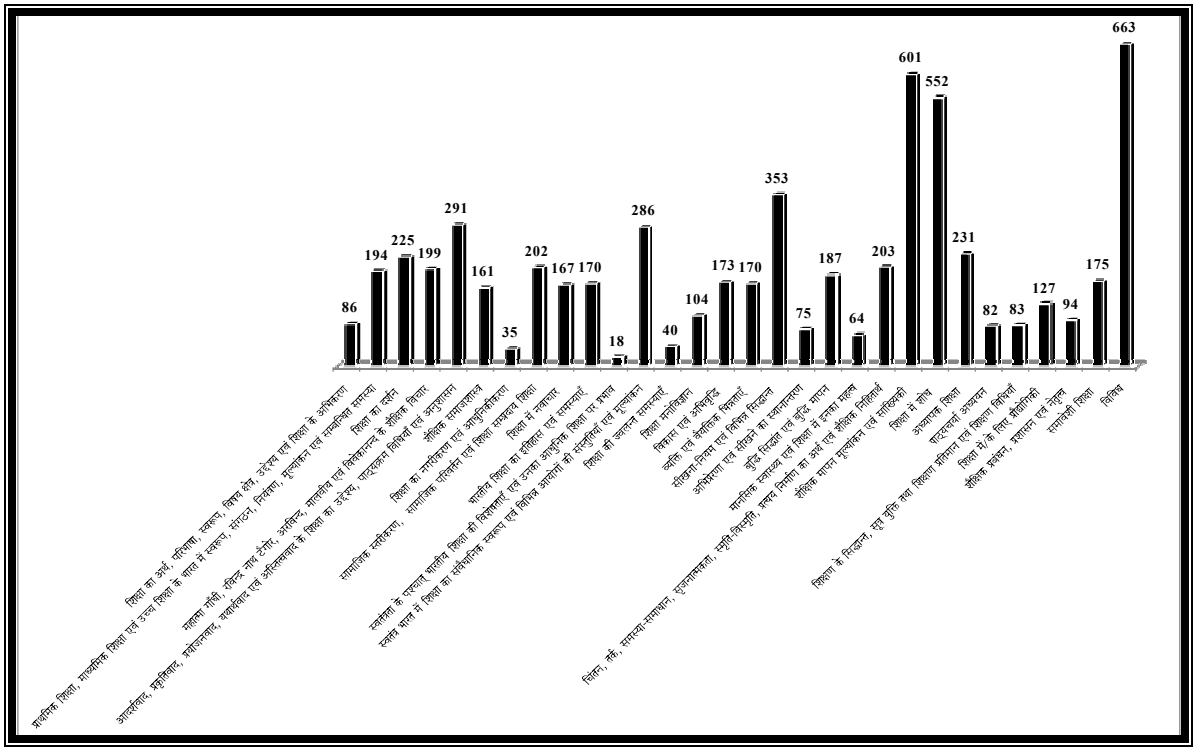

01. शिक्षा का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, विषय क्षेत्र, उद्देश्य एवं शिक्षा के अभिकरण

1. Which of the following statements are true?
निम्नलिखित में से कौन-से कथन सही हैं?

A. 'Veda' is not the name of any particular book/'वेद' किसी विशेष पुस्तक का नाम नहीं है।
B. The hymns of Rig Veda are composed in the praise of God/ईश्वर की स्तुति में ऋग्वेद की ऋचाओं की रचना की गई है।
C. Vedic teachings bolong to the 'Karma Marga'. वेद का शिक्षण 'कर्म मार्ग' से संबंधित है।
D. Upanishads are also called 'Vedanta'. उपनिषदों को 'वेदांत' के रूप में भी कहा जाता है।
E. 'Vedanta' is the last part of Yajurveda. 'वेदांत' यजुर्वेद का अंतिम भाग है।

Choose the correct answer from the option given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपर्युक्त का चयन कीजिए -

(a) A,B C & D Only/केवल A,B C और D
(b) B, C, D & E Only /केवल B, C, D और E
(c) C, D, E & A Only /केवल C, D, E और A
(d) D, E, A & B Only /केवल D, E, A और B

NTA UGC NET/JRF DEC 2022 Shift-I

Ans. (a) : सत्य कथन है-
A. वेद किसी विशेष पुस्तक का नाम नहीं है।
B. ईश्वर की स्तुति में ऋग्वेद की ऋचाओं की रचना की गई है।
C. वेद का शिक्षण कर्म मार्ग से संबंधित है।
D. उपनिषदों को वेदांत के रूप में भी कहा जाता है।
E. वेदांत यजुर्वेद का अंतिम भाग नहीं है।

2. निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित नहीं है?

(a) परिवार–निरौपचारिक अभिकरण
(b) विद्यालय–औपचारिक अभिकरण
(c) राज्य–अनौपचारिक अभिकरण
(d) स्काउटिंग–निरौपचारिक अभिकरण

UPPSC GIC 2021

Ans. (a): परिवार–निरौपचारिक अभिकरण नहीं अपितु अनौपचारिक अभिकरण है।

3. शिक्षा को समाज की एक उप-प्रणाली समझा जाता है क्योंकि :

(a) इसकी अपनी एक जटिल संरचना है
(b) इसके अपने सुपरिभाषित उद्देश्य एवं कार्य हैं
(c) यह एक आवश्यक सेवा है जो समाज को व्यक्तियों को प्रदान करनी होती है
(d) समाज के लक्ष्यों की प्राप्ति शिक्षा की प्रभावशाली कार्यप्रणाली पर एवं शिक्षा की कार्यप्रणाली समाज पर निर्भर करती है।

UP Higher Asst. Prof. 2019

Ans.-(d) शिक्षा को समाज की एक उप-प्रणाली समझा जाता है क्योंकि समाज लक्ष्यों की प्राप्ति शिक्षा की प्रभावशाली कार्यप्रणाली पर एवं शिक्षा की कार्य प्रणाली समाज पर निर्भर करती है।

4. निम्न में से कौन सा 'शिक्षा का उद्देश्य' माध्यमिक शिक्षा आयोग द्वारा प्रतिपादित नहीं है?

(a) लोकतांत्रिक नागरिकता का विकास
(b) व्यक्तित्व का विकास
(c) नेतृत्व के गुणों का विकास
(d) विभिन्न धर्मो के बारे में ज्ञान का विकास

UPPSC GDC Asst. Prof. 2019

Ans. (d) : विभिन्न धर्मो के बारे में ज्ञान का विकास 'शिक्षा का उद्देश्य' माध्यमिक शिक्षा आयोग द्वारा प्रतिपादित नहीं किया गया है। उसके द्वारा प्रतिपादित उद्देश्य निम्न है।
(a) लोकतांत्रिक नागरिकता का विकास
(b) व्यक्तित्व का विकास
(c) नेतृत्व के गुणो का विकास
(d) राष्ट्रीयता का विकास

5. छात्रों को एक सारणी में दिए गये परिचित आँकड़ों की सहायता से ग्राफ खींचने को कहा जाता है। कौन सा उद्देश्य प्राप्त किया जा रहा है?

(a) बोध (b) अनुप्रयोग
(c) ज्ञान (d) मूल्यांकन

UPPSC GDC Asst. Prof. 2012

Ans. (b) अनुप्रयोग उद्देश्य स्तर पर छात्र विभिन्न स्थूल अथवा विशिष्ट परिस्थितियों में अपने ज्ञान बोध के आधार पर किये गये अमूर्तकरण का उपयोग करते हैं। इन अमूर्त करणों में सामान्य विचार, नियम या सामान्यकृत विधि सम्मिलित होते हैं। वे अमूर्तकरण उन तकनीकी सिद्धान्तों के भी हो सकते हैं, जिनमें पुनः स्मरण करना व प्रयोग करना होता है।

6. 'शिक्षा ज्ञान के विकास का कार्य है' इसका तात्पर्य है

(a) उत्पाद (b) प्रक्रिया
(c) संदर्भ (d) निवेश

UPPSC GDC Asst. Prof. 2012

Ans. (b) शिक्षा ज्ञान के विकास का कार्य है, इसका तात्पर्य प्रक्रिया होता है। जो मनुष्य को अनुभव द्वारा प्राप्त होते हैं एवं उसके पथ-प्रदर्शक बनते हैं।

7. शिक्षा का तात्पर्य है

(a) तथ्यों का ज्ञान (b) तथ्यों की खोज
(c) व्यवहार में परिवर्तन (d) व्यवहार में सुधार

UP PGT 2009

Ans. (b) शिक्षा मानव विकास का मूल साधन है। इसके द्वारा मनुष्य की जन्मजात शक्ति का विकास उसके ज्ञान एवं कला-कौशल में वृद्धि एवं व्यवहार में परिवर्तन किया जाता है और उसे सभ्य सुसंस्कृत एवं योग्य नागरिक बनाया जाता है ।

8. शिक्षा का कार्य है :

(a) संस्कृति का संरक्षण (b) सामाजिक पुनर्रचना
(c) समालोचना चिन्तन का विकास (d) उपरोक्त सभी

UPPSC GDC Asst. Prof. 2017

Ans. (d) : शिक्षा एक गतिशील प्रक्रिया है। शिक्षा मानव जीवन एवं समाज के अनेक महत्त्वपूर्ण कार्यों को सम्पादित करती है। जॉन डीवी ने शिक्षा के कार्य के विषय में लिखा है कि शिक्षा का कार्य असहाय प्राणी के विकास में सहायता पहुँचाना है, जिससे वह सुखी एवं कुशल मानव बन सके।

शिक्षा के कार्य–

1. शिक्षा मानव की अन्तः शक्तियों का प्रगतिशील विकास करती है।
2. शिक्षा संस्कृति एवं सभ्यता का संरक्षण, हस्तान्तरण और विकास करती है।
3. नागरिकों को नागरिकता के अधिकारों व कर्त्तव्यों का पालन करने योग्य बनाती है।
4. सामाजिक पुनर्रचना व व्यावसायिक कुशलता की उन्नति का विकास करती है।
5. आध्यात्मिक चेतना तथा समालोचना चिंतन का विकास करती है।
6. व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करती है।
7. शिक्षा स्वतंत्र चिंतन की क्षमता का विकास करती है।
8. नेतृत्व की शक्ति प्रदान करती है।

9. भावात्मक पक्ष उद्देश्य में घटक हैं

(a) पाँच (b) छः
(c) सात (d) आठ

UPPSC GDC Asst. Prof. 2013

Ans. (a) भावात्मक पक्ष उद्देश्य में पाँच घटक जो निम्नलिखित हैं-

1. आग्रहण - कुछ विचारों, सामाग्री या घटनाओं के अस्तित्व के प्रति जागरूक या संवेदनशील होना और उन्हें सहन करने के लिए तैयार होना।

2. प्रतिक्रिया- कुछ छोटे पैमाने पर विचारो, सामाग्रियो या घटनाओं के लिए प्रतिबद्ध है, जो सक्रिय रूप से उन पर प्रतिक्रिया करके शामिल है।

3. अनुमूल्यन- कुछ विचारों, सामग्री या घटना मूल्य के रूप में दूसरों के द्वारा मानने के लिए तैयार है।

4. संगठन- संगठन का उद्देश्य मूल्य को पहले से धारित लोगों से जोड़ना है और इसे एक सामंजस्य पूर्ण और आंतरिक रूप से सुसंगत दर्शन में लाना है।

5. स्वभावीकरण और निरूपण- यह भावनात्मक स्तर के उद्देश्यों के वर्गीकरण में उच्चतम स्थान रखता है। इस स्तर में जो हमने मूल्यों को संगठित किया है उसे पूर्ण रूप से गृहण कर चुके होते हैं, तो इस आधार पर ही हमारा व्यवहार भी नियंत्रित होता है मूल्यो का निरूपण ही हमारे व्यवहार को नियंत्रित करता है और इससे आत्मसम्मान भी बढ़ जाता है और हम दृढ़ विश्वासों से मूल्यो का निरूपण करके अपने व्यवहार को नियंत्रित कर पाते हैं।

10. स्पेन्सर के अनुसार निर्धारित पाठ्यक्रम में कौन-सा विषय नहीं है?

(a) धर्म (b) शरीर-विज्ञान
(c) गणित (d) संगीत

UP PGT 2003

Ans. (c) हरबर्ट स्पेन्सर का जन्म 27 अप्रैल, 1820 में हुआ था और वह एक महान अंग्रेज दार्शनिक, समाजशास्त्री और प्रसिद्ध, पारम्परिक, राजनैतिक सिद्धान्तकार थे। स्पेन्सर के द्वारा उन्होंने अपने जीवन में भौतिक विश्व, जैविक सजीवों, मानव-मन, संगीत, नीतिशास्त्र, धर्म, जीव विज्ञान तथा शरीर विज्ञान उनके पाठ्यक्रम का विषय रहा है, परन्तु गणित उनके पाठ्यक्रम का विषय नहीं है।

11. निम्नलिखित में से कौन-सा विषय मनुष्य का स्थान प्राकृतिक संसार में बताता है?

(a) भौतिकी (b) जीव विज्ञान
(c) भूगोल (d) ज्योतिशास्त्र

UP PGT 2003

Ans. (c) भूगोल एक ऐसी विषयवस्तु है जो मनुष्य का स्थान प्राकृतिक स्थान में बताता है भूगोल प्राकृति का अध्ययन स्थलमण्डल, जलमण्डल तथा जैवमण्डल व वायुमण्डल के रूप में होता है।

12. निम्न में से कौन सा शिक्षा के अभिकरणों के लिए सही अनुक्रम है?

(a) औपचारिक, अनौपचारिक, औपचारिकेतर
(b) औपचारिक, औपचारिकेतर, अनौपचारिक
(c) अनौपचारिक, औपचारिकेतर, औपचारिक
(d) औपचारिकेतर, औपचारिक, अनौपचारिक

UPPSC DIET Pravakta 2014

Ans.(a) : शिक्षा के तीन अभिकरण है- औपचारिक, अनौपचारिक तथा औपचारिकेतर। औपचारिक शिक्षा के अन्तर्गत विद्यालय, कॉलेज, पुस्तकालय आदि आते हैं। अनौपचारिक शिक्षा के अन्तर्गत क्लब, घर, धार्मिक स्थान, राजनैतिक दल आदि आते हैं जबकि औपचारिकेतर के अन्तर्गत दूरस्थ शिक्षा, मुक्त विद्यालय आदि आते हैं।

13. मूल्यों के आधार पर व्यक्तित्व का वर्गीकरण किसने किया?

(a) मूरे (b) रोशॉ
(c) स्प्रेन्जर (d) थॉर्नडाइक

UPPSC DIET Pravakta 2014

Ans.(c) : मूल्यों के आधार पर व्यक्तित्व का वर्गीकरण स्प्रेन्जर महोदय ने किया है। इन्होंने मूल्यों के आधार पर व्यक्तित्व को निम्नलिखित छ: वर्गो में विभाजित किया है-

(i) सैद्धांतिक मूल्य
(ii) आर्थिक मूल्य
(iii) सामाजिक मूल्य
(iv) राजनैतिक मूल्य
(v) धार्मिक मूल्य
(vi) सौन्दर्यात्मक मूल्य

14. शैक्षिक उद्देश्यों की वर्गिकी तीन मूलभूत क्षेत्रों पर आधारित है। इनमें से कौन सा अलग है?

(a) संज्ञानात्मक (b) भावात्मक
(c) प्रतिक्रियात्मक (d) मनोचालक

UPPSC GDC Asst. Prof. 2008

Ans. (c) : शैक्षिक उद्देश्यों की वर्गिकी तीन मूलभूत क्षेत्रों पर आधारित है, इसका वर्गीकरण ब्लूम द्वारा किया गया था। ब्लूम के अनुसार बालक के व्यक्तित्व का विकास तीन सीखने के क्षेत्रों में होता है–

1. ज्ञानात्मक पक्ष 2. भावात्मक पक्ष 3. मनोक्रियात्मक पक्ष

बालक के व्यवहार में परिवर्तन और विकास व्यक्तित्व के इन्हीं तीन पक्षों में होता है। इसी को आधार मानकर ब्लूम ने शैक्षिक उद्देश्यों को तीन भागों में विभक्त किया है–

1. संज्ञानात्मक पक्ष के उद्देश्य
2. भावात्मक पक्ष के उद्देश्य
3. मनोचालक/मनोक्रियात्मक पक्ष के उद्देश्य

अतः प्रतिक्रियात्मक शैक्षिक उद्देश्य की वर्गिकी से भिन्न है।

15. निम्नलिखित में से कौन भावनात्मक क्षेत्र के शैक्षिक उद्देश्य से सम्बन्धित नही है?

(a) आग्रहण (b) अनुक्रिया
(c) व्यवस्थापन (d) प्रत्यक्षीकरण

UPPSC GIC Pravkta 2012

Ans. (d) प्रत्यक्षीकरण भावात्मक क्षेत्र से सम्बन्धित नहीं है, यह मनोचालक क्षेत्र से सम्बन्धित है।
भावात्मक क्षेत्र का वर्गीकरण–1. आग्रहण 2. प्रतिक्रिया 3. अनुमूल्यन 4. संगठन 5. स्वभावीकरण

16. निम्नलिखित में से कौन सा शिक्षा का औपचारिक अभिकरण है

(a) परिवार (b) विद्यालय
(c) राज्य (d) धर्म

UPPSC GIC Pravkta 2012

Ans. (b) औपचारिक शिक्षा प्रायः सुनियोजित प्रक्रिया द्वारा व्यक्तियों को दी जाती है, इसकी योजना पहले से बना ली जाती है, इसको प्राप्त करने की विधि पहले से ही निश्चित हो जाती है, अर्थात् विद्यालय औपचारिक अभिकरण है।

17. शिक्षा के व्यक्तिगत उद्देश्यों की सर्वप्रथम चर्चा की थी

(a) रॉस ने (b) पेस्टालॉजी ने
(c) नन ने (d) ड्यूवी ने

UPPSC GIC Pravkta 2012

Ans. (c) शिक्षा के व्यक्तिगत उद्देश्यों की चर्चा - वी. पी नन ने की थी। नन के अनुसार, ''शिक्षा को ऐसी दशा में उत्पन्न करना चाहिए जिनसे व्यक्तित्व का विकास हो सके और मानव जीवन को अपने मौलिक योग दे सके।''

18. शिक्षा के रूप में आत्मानुभूति (सैल्फ रियलाइजेशन) से तात्पर्य है–

(a) नैतिक विकास
(b) सामाजिक विकास
(c) समस्त मानव शक्तियों का पूर्ण विकास
(d) भावनात्मक विकास

UP PGT 2016

Ans. (c) : शिक्षा का अर्थ मनुष्य में निहित समस्त शक्तियों का पूर्ण विकास करना है। अर्थात जीवन का अन्तिम लक्ष्य आत्मानुभूति (सेल्फ रियालाइजेशन), ईश्वर की प्राप्ति एवं मुक्ति प्राप्त करना है। स्वामी विवेकानन्द जी के अनुसार ''हमें उस शिक्षा की आवश्यकता है, जिसके द्वारा चरित्र का निर्माण होता हो, मस्तिष्क की शक्ति बढ़ती हो, बुद्धि का विकास होता हो और मनुष्य अपने पैरो पर खड़ा हो सकता हो।

19. इनमें से कौन शिक्षा का एक वैयक्तिक उद्देश्य नहीं है?

(a) शारीरिक विकास
(b) मानसिक विकास
(c) नागरिक के रूप में विकास
(d) सौन्दर्य बोधात्मक विकास

UP PGT 2016

Ans. (c) : शिक्षा के व्यक्तिगत उद्देश्यों में शारीरिक, मानसिक और सौन्दर्य बोधात्मक विकास शामिल है। क्योंकि शिक्षा का विकास व्यक्ति के समस्त आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया जाता है। जेम्स ड्रेवर महोदय ने यह मत दिया की शिक्षा एक प्रक्रिया है। जिसके द्वारा बालक के ज्ञान, चरित्र एवं व्यवहार को एक विशेष सांचे में ढाला जाता है।

20. निम्नलिखित में से कौन-सा पाठशाला का औपचारिक कार्य नहीं है?

(a) छात्रों में चिंतन शक्ति का विकास करना
(b) छात्रों को उपयोगी ज्ञान देना
(c) छात्रों के परिवार के साथ सामञ्जस्य स्थापित करने में मार्गदर्शन करना
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

UP PGT 2016

Ans. (c) : औपचारिक शिक्षा का कार्य एक निश्चित योजना के अनुसार होता है। शिक्षा सम्बन्धी सभी कार्यक्रम जैसे- स्थान, व्यक्ति, उद्देश्य, पाठ्यक्रम, नियम, व्यवस्था आदि की योजना पहले से निश्चित की जाती है। पाठशाला का औपचारिक कार्य चिन्तन शक्ति का विकास एवं उपयोगी ज्ञान देकर आत्मनिर्भर बनाना है, बल्कि छात्रों को परिवार के साथ सामंजस्य स्थापित करने का कार्य अनौपचारिक है।

21. आज के वैश्विकरण के युग में शिक्षा को महत्व देना चाहिये-

(a) व्यक्तिगत् एकीकरण पर
(b) भावात्मक एकीकरण पर
(c) राष्ट्रीय एकीकरण पर
(d) अन्तर्राष्ट्रीय एकीकरण पर

UP PGT 2013

Ans. (d) वैश्विकरण के युग में शिक्षा को महत्व देना ही अन्तर्राष्ट्रीय एकीकरण है।

22. शिक्षा का आधारभूत उद्देश्य है-

(a) ज्ञान प्रदान करना
(b) व्यक्ति का विकास करना
(c) परीक्षा उत्तीर्ण कर उपाधि प्राप्त कर
(d) किसी व्यवसाय हेतु तैयार करना

UP PGT 2013

Ans. (b) शिक्षा का आधारभूत उद्देश्य व्यक्ति का सर्वांगीण विकास प्रदान करना है ताकि वह जीवन में किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम हो सके। शिक्षा छात्र को मानवीय मूल्यों और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। डॉ. राधाकृष्णन के अनुसार, ''इस प्रकार शिक्षा का उद्देश्य केवल जीविकोपार्जन या जीवन के लिए तैयारी के साधन के रूप में नहीं बल्कि मनुष्य के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के पूर्ण और सामंजस्यपूर्ण विकास में एक अनिवार्य कारक के रूप में माना गया है।''

23. शिक्षा का अर्थ है :

(a) विद्यालय में दिया जाने वाला ज्ञान
(b) जोर-जोर से पढ़ना
(c) बालक की जन्मजात शक्तियों का विकास
(d) विद्यालय बनाना

UP PGT 2009

Ans. (c) शिक्षा एक सोद्देश्य, सामाजिक, अविरल गतिशील और विकास की प्रक्रिया है। इसके द्वारा मनुष्यों की जन्मजात शक्तियों का विकास, उसके ज्ञान एवं कला कौशल में वृद्धि तथा व्यवहार में परिवर्तन किया जाता है। इस प्रकार उन्हें सभ्य, सुसंस्कृत एवं योग्य नागरिक बनाया जाता है।

24. 'परिवार' शिक्षा का किस प्रकार का साधन है?

(a) औपचारिक साधन (b) अनौपचारिक साधन
(c) औपचारिकेतर साधन (d) इनमें से कोई नहीं

UP PGT 2009

Ans. (b) परिवार, समुदाय व धार्मिक संस्थाएँ आदि शिक्षा के अनौपचारिक साधन है। यह एक सहज, स्वभाविक शिक्षा है जिसका कोई औपचारिक स्वरूप नहीं होता है। यह शिक्षा जीवन-पर्यन्त चलने वाली शिक्षा है। इस शिक्षा का कोई समय स्थान या पाठ्यक्रम नहीं होता है तथा इसकी कोई योजना नहीं बनानी पड़ती।

25. शिक्षा शब्द समानार्थी है :

(a) निर्देश का (b) विद्यालयीकरण का
(c) प्रशिक्षण का (d) स्किनर

UP PGT 2009

Ans. (c) शिक्षा शब्द संस्कृत भाषा की 'शिक्ष' धातु में 'अ' प्रत्यय लगाने से बना है। शिक्षा का अर्थ है सीखना और सिखाना इसलिए शिक्षा का अर्थ हुआ सीखने और सिखाने की प्रक्रिया अर्थात प्रशिक्षण।

26. निरौपचारिक शिक्षा का उद्देश्य नहीं है?

(a) शिक्षा प्रसार (b) सामुदायिक समन्वय
(c) सांस्कृतिक संरक्षण (d) आर्थिक संचय/लाभ

UP PGT 2009

Ans. (d) निरौपचारिक शिक्षा के प्रमुख उद्देश्य शिक्षा का प्रसार सामुदायिक समन्वय तथा सांस्कृति संरक्षण, सामाजिक कौशल का विकास, आत्मा का विकास आदि है।
जबकि आर्थिक संचय/लाभ निरौपचारिक शिक्षा का उद्देश्य नहीं है।

27. निरौपचारिक शिक्षा का साधन नहीं है

(a) सिनेमाघर (b) कक्षा विभाग
(c) टी वी (d) परिवार

UP PGT 2009

Ans. (b) कक्षा/कक्ष शिक्षण औपचारिक (formal) शिक्षा के साधन हैं, जबकि टी.वी., सिनेमाघर व परिवार निरौपचारिक शिक्षा के साधन हैं।

28. 'शिक्षा' शब्द का शाब्दिक अर्थ है

(a) उजागर करना (b) उड़ेलना
(c) सृजन करना (d) प्रेरित करना

UP PGT 2005

Ans. (a) शिक्षा शब्द संस्कृत भाषा का मूल शब्द है, जिसका शाब्दिक अर्थ है - ज्ञानार्जन करना अथवा उजागर करना होता है। इस प्रकार से हम कह सकते हैं कि शिक्षा ज्ञान अर्जन करने की एक सतत प्रक्रिया है। शिक्षा को अंग्रेजी में Education कहते हैं। एजुकेशन शब्द लैटिन भाषा के ''Educatum'' से बना है, जिसका अर्थ - आंतरिक रूप से आगे बढ़ना होता है।

29. विद्यालय किस प्रकार की शिक्षा का साधन है?

(a) औपचारिक (b) अनौपचारिक
(c) औपचारिकेत्तर (d) इनमें से कोई नहीं

UP PGT 2005

Ans. (a) विद्यालय शिक्षा के औपचारिक अभिकरण हैं, औपचारिक अभिकरणों में प्रवेश के नियम, विद्यालय का समय, शिक्षण सत्र, कक्षोन्नति तथा पाठ्यक्रम आदि के निश्चित नियम होते हैं। इसमें शिक्षक, उपदेशक और शिक्षार्थी आज्ञाकारिता के आदर्श का पालन करते हैं।

30. डीवी के अनुसार, शिक्षा से अभिप्राय है-

(a) सुख का साधन (b) मोक्ष का साधन
(c) जीवन की तैयारी (d) स्वयं जीवन

UP PGT 2013

Ans. (d) डीवी के अनुसार, शिक्षा सामाजिक प्रक्रिया है वे शिक्षा को न तो साध्य और न ही मनुष्य जीवन की तैयारी का साधन ही मानते थे। यह तो स्वंम जीवन है। डीवी मानते है कि मनुष्य कुछ जन्मजात शक्तियां लेकर पैदा होता है सामाजिक चेतना में भाग लेने से इनकी इन शक्तियों का विकास होता है।

31. जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्था का उद्देश्य निम्नलिखित को प्रशिक्षण देना है

(a) औपचारिक प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों को
(b) अनौपचारिक शिक्षा में कार्यरत कर्मियों को
(c) प्रौढ़ शिक्षा में कार्यरत कर्मियों को
(d) उपरोक्त सभी को

UP PGT 2005

Ans. (d) राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 के अनुसरण में अध्यापक शिक्षा से सम्बन्धित जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डायट) की स्थापना की गयी। इसका प्रमुख उद्देश्य स्कूली शिक्षकों, प्रौढ़ शिक्षा एवं अनौपचारिक शिक्षा के कार्यकर्ताओं, अध्यापक प्रशिक्षकों आदि के ज्ञान का उनकी योग्यताओं और कौशलों का निरन्तर उन्नयन करना था।

32. प्राथमिक शिक्षा को स्थानीय संस्थाओं के अधीन करने का सुझाव दिया था

(a) लॉर्ड रिपन ने (b) मैकाले ने
(c) एडम ने (d) विलियम हण्टर ने

UP PGT 2005

Ans. (d) प्राथमिक शिक्षा के उद्देश्य प्रशासन व वित्त व्यवस्था के सम्बन्ध में सुधार के लिए 1882 ई॰ में हण्टर आयोग का गठन हुआ। इस आयोग ने प्राथमिक शिक्षा का उत्तरदायित्व स्थानीय संस्थाओं को देने का सुझाव प्रस्तुत किया था।

33. अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों के लक्ष्य समूह है

(a) निरक्षर प्रौढ़
(b) 6 वर्ष के कम आयु के बच्चे
(c) प्रारम्भिक स्तर पर विद्यालय छोड़ देने वाले बच्चे
(d) उपरोक्त सभी

UP PGT 2005

Ans. (d) शिक्षा के अनौपचारिक अभिकरण, वे समाजिक समूह तथा संगठन है। जिनका निर्माण सामजिक संरचना के अन्तर्गत स्वतः होता रहता है और जिनके सामने औपचारिक तथा अनौपचारिक शिक्षा की व्यवस्था का कोई उद्देश्य नहीं होता लेकिन ये जाने-अनजाने बच्चों, युवकों व प्रौढ़ों की शिक्षा को प्रभावित करते रहते हैं, जैसे- परिवार, समुदाय, धार्मिक संस्थाऐं आदि। इस प्रकार शिक्षा के अनौपचारिक अभिकरणों के लक्ष्य समूह उपर्युक्त सभी है।

34. शिक्षा का सर्वाधिक पूर्ण उद्देश्य क्या है?

(a) सामाजिक विकास (b) चारित्रिक विकास
(c) नैतिक विकास (d) मानसिक विकास

UP PGT 2005

Ans. (d) शिक्षा का सर्वाधिक पूर्ण उद्देश्य व्यक्ति/विद्यार्थी का सम्पूर्ण मानसिक विकास है। एक विद्यार्थी का जब मानसिक विकास होता है तो अन्य सामाजिक विकास स्वतः उसमें आ जाते हैं।

35. ''सभी दुष्टता, कमजोरी के कारण आती है।'' - यह कथन शिक्षा के किस उद्देश्य की ओर संकेत करता है?

(a) मानसिक विकास (b) नैतिक विकास
(c) व्यावसायिक विकास (d) शारीरिक विकास

UP PGT 2004

Ans. (b) सभी दुष्टता कमजोरी के कारण आती है। यह कथन शिक्षा के नैतिक विकास की ओर संकेत करता है। नैतिक विकास के लिए शिक्षा यह तीन कार्य करती है। नैतिक नियमों की जानकारी मूल्यों का निर्माण और चरित्र का विकास।

36. एक विद्यार्थी के लिए सामाजिक रूप से इच्छित आदतों और अभिवृत्तियों को विकसित करने के लिए सबसे उचित स्थान है :

(a) विद्यालय (b) खेल का मैदान
(c) घर (d) क्लब

UP PGT 2003

Ans. (a) विद्यालय समाज का लघुरूप होता है। विद्यालय बालक के सामाजिक आदतों को व उसकी अभिवृत्तियों को विकसित करने का सबसे उचित स्थान होता है।

37. शिक्षा के लिए सबसे उपयुक्त तरीका है :

(a) वर्तमान परीक्षा-पद्धति (b) सपुस्तक परीक्षा-पद्धति
(c) सेमेस्टर पद्धति (d) वस्तुनिष्ठ प्रश्न-पत्र

UP PGT 2003

Ans. (c) सेमेस्टर प्रणाली के अन्तर्गत किसी उपाधि विशेष के लिए निर्धारित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को 6-6 माह के कुछ खण्डों में विभक्त कर दिया जाता है जिन्हें सेमेस्टर कहा जाता है। प्रत्येक सेमेस्टर के पाठ्यक्रम का शिक्षण करने के उपरान्त परीक्षा आयोजित की जाती है। यह प्रणाली शिक्षा के लिए एक उपयोगी तरीका है।

38. शिक्षा क्या है ?

(a) शिक्षा अनुदेश है
(b) शिक्षा किताबी ज्ञान है
(c) स्कूल के भीतर एवं बाहर प्राप्त किया गया समस्त अनुभव शिक्षा है
(d) कुशाग्रता शिक्षा है

UP PGT 2002

Ans. (c) विद्यार्थी द्वारा स्कूल के भीतर तथा बाहर प्राप्त किया गया समस्त अनुभव (ज्ञान) शिक्षा कहलाता है। शिक्षा विकास का क्रम है, शिक्षा निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है, शिक्षा गतिशील रहती है, शिक्षा सम्बन्ध स्थापित नहीं करती।

39. औपचारिक शिक्षा प्रदान करने वाली सबसे महत्वपूर्ण संस्था कौन-सी है ?

(a) विद्यालय (b) परिवार
(c) प्रकृति (d) पुस्तकालय

UP PGT 2002

Ans. (a) विद्यालय औपचारिक शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण साधन है परिवार, प्रकृति व पुस्तकालय अनौपचारिक शिक्षा के साधन है।

40. औपचारिक शिक्षा हम कहाँ से प्राप्त करते हैं?

(a) क्लबों से (b) राजनैतिक दलों से
(c) विद्यालयों से (d) धार्मिक स्थलों से

UP PGT 2002

Ans. (c) औपचारिक शिक्षा वह शिक्षा है जो एक निश्चित स्थान पर, निश्चित लोगों के द्वारा निश्चित पाठ्यक्रम तथा निश्चित समय में सम्पन्न की जाती है, उसे औपचारिक शिक्षा कहते हैं। औपचारिक शिक्षा का मुख्य स्थान विद्यालय परिसर है। पुस्तकालय, चित्र भवन, यह सभी औपचारिक शिक्षा के साधन हैं।

41. अनौपचारिक शिक्षा के स्त्रोत क्या हैं?

(a) विद्यालय
(b) कोचिंग केन्द्र
(c) बिना किसी औपचारिक के वातावरण से प्राप्त अनुभव
(d) शिक्षादाता

UP PGT 2002

Ans. (c) शिक्षा के अनौपचारिक अभिकरण वे सामाजिक समूह अथवा संगठन है जिनका निर्माण सामाजिक संगठन के अन्तर्गत स्वतः होता रहता है। और जिनके सामने औपचारिक अथवा निरौपचारिक शिक्षा की व्यवस्था का कोई उद्देश्य नहीं है लेकिन जाने-अनजाने में बच्चों , युवकों और प्रौढ़ों की शिक्षा को प्रभावित करते हैं जैसे- परिवार समुदाय और धार्मिक संस्थाएं।

42. गैर-औपचारिक शिक्षा की आवश्यकता क्यों है?

(a) वास्तविक शिक्षा की दिशा में आँखें खोलने हेतु
(b) विपक्षी दल को संतुष्ट करने हेतु
(c) औपचारिक संस्थाएँ अपने यहाँ भर्ती कराने की भीड़ को संभाल पाने में असमर्थ है
(d) इनमें से कोई नहीं

UP PGT 2002

Ans. (c) बढ़ती जनसंख्या और सबको उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षा के निरौपचारिक साधन आवश्यक है। अर्थात् ये औपचारिक शिक्षा की आवश्यकता को पूरा करते हैं।

43. इनमें से कौन-सी स्थिति शिक्षा के खराब स्तर के लिए जिम्मेदार नहीं हैं?

(a) शिक्षा का दोहरा मानदंड
(b) धनी व्यक्ति खराब स्तर की परवाह नहीं करते
(c) शिक्षक अपनी जिम्मेदारियों से जी चुराते हैं
(d) विद्यार्थी धार्मिक नहीं होते हैं

UP PGT 2002

Ans. (b) धनी व्यक्ति खराब स्थिति की परवाह नहीं करते यह स्थिति शिक्षा के खराब स्थिति के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। अतः शिक्षा का दोहरा मानदंड के कारण शिक्षा व शिक्षण व्यवस्था में एकरूपता नहीं आ सकती शिक्षा में उचित पर्यवेक्षण न होने से शिक्षक अपनी जिम्मेंदारी से जी चुराते हैं। यह स्थिति शिक्षा के खराब स्तर के लिए जिम्मेदार है।

44. शिक्षा का सर्वोत्तम उद्देश्य है :

(a) व्यक्ति के चरित्र का सम्पूर्ण विकास
(b) व्यक्ति का सर्वांगीण विकास
(c) व्यक्ति का सामाजिक विकास
(d) व्यक्ति के शरीर एवं बुद्धि का विकास

UP PGT 2000, 2002

Ans. (b) शिक्षा का सर्वोत्तम उद्देश्य व्यक्ति के सर्वांगीण विकास (मानसिक, शारीरिक, तथा सामाजिक विकास) से है।

45. राज्य शिक्षा का साधन है :

(a) औपचारिक (b) अनौपचारिक
(c) औपचारिकेतर (d) इनमें से कोई नहीं

UP PGT 2000

Ans. (b) वस्तुतः राज्य शिक्षा का एक शक्तिशाली साधन या अभिकरण है। राज्य अनेक प्रकार के साधनों द्वारा अनौपचारिक रूप से जनता को शिक्षित करता रहता है। राज्य के निम्नलिखित शैक्षणिक कार्य इसलिये अधिक महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इन कार्यों को राज्य ही अच्छी तरह से कर सकता है। अन्य शैक्षिक अभिकरणों के पास ऐसे साधन नहीं होते हैं कि वे इन कार्यों को अच्छी प्रकार कर सकें।

46. शिक्षा के अभिकरण प्रमुख हैं :

(a) दो (b) पांच
(c) सात (d) तीन

UP PGT 2000

Ans. (d) शिक्षा के अभिकरणों को इन तीन प्रमुख भागों में बाँटा गया है। 1. औपचारिक अभिकरण 2. अनौपचारिक अभिकरण तथा 3. निरौपचारिक अभिकरण

47. 9-15 वर्ष वाले आयु के स्कूल छोड़ देने वाले बच्चों के लिए जो योजना चलाई गयी है, वह है

(a) औपचारिकेतर शिक्षा (b) सतत शिक्षा
(c) अनौपचारिक शिक्षा (d) प्रौढ़ शिक्षा

UP PGT 2000

Ans. (c) 9-15 वर्ष आयु वर्ग के लिए अनौपचारिक शिक्षा की व्यवस्था की गई है। इसमें जीविकोपार्जन के साथ-साथ शिक्षा प्राप्त की जा सकती है।

48. अनौपचारिक शिक्षा की प्रमुख विशेषता है :

(a) सब के लिए सुलभ
(b) विशेष वर्ग की शिक्षा
(c) केवल प्रौढ़ों के लिए
(d) केवल स्कूल से बाहर पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए

UP PGT 2000

Ans. (a) शिक्षा के अनौपचारिक अभिकरण वे सामाजिक समूह अथवा संगठन है। जिनका निर्माण सामाजिक संरचना के अन्तर्गत स्वतः होता रहता है। जैसे परिवार, समुदाय और धार्मिक संस्थाएँ इसलिए अनौपचारिक शिक्षाएँ सर्वप्रमुख विशेषता, सबके लिए सुलभ होना है।

49. कौन-सा कथन अनौपचारिक शिक्षा के संबंध में सही नहीं है :

(a) परीक्षा आवश्यक नहीं है
(b) परीक्षा आवश्यक है
(c) प्रवेश आवश्यक नहीं है
(d) स्थान एवं समय निश्चित नहीं है

UP PGT 2000

Ans. (a) अनौपचारिक शिक्षा के सम्बन्ध में परीक्षा अनिवार्य रहती है अतः यह कथन गलत है।

50. निम्न में से कौन सी शिक्षा की औपचारिक एजेंसी नहीं है?

(a) परिवार (b) विद्यालय
(c) पुस्तकालय (d) पाठ्य-पुस्तकें

UPPSC GDC Pravkta 2008

Ans. (a) : परिवार शिक्षा की औपचारिक एजेंसी नहीं है। शिक्षा के औपचारिक साधनों के अन्तर्गत वे संस्थायें आती है, जिनके द्वारा किसी पूर्व निश्चित योजना के अनुसार बालक को नियंत्रित वातावरण में रखते हुए शिक्षा के संकुचित अथवा निश्चित उद्देश्य को प्राप्त किया जाता है। इन साधनों की श्रेणी में विद्यालय, पुस्तकालय, पाठ्य-पुस्तकें, भवन तथा वाचनालय आदि आते हैं।

51. शिक्षण के उद्देश्यों को व्यावहारिक रूप में लिखने की योजना सर्वप्रथम किसने विकसित की थी?

(a) मेगर (b) ब्लूम
(c) स्किनर (d) क्राउडर

UPPSC GDC Pravkta 2013

Ans. (b) : शिक्षण के उद्देश्यों को व्यवहारिक रूप से लिखने की योग्यता सर्वप्रथम ब्लूम ने विकसित की थी। ब्लूम ने शिक्षण उद्देश्यों को तीन प्रमुख वर्गों में विभाजित किया-
(1) ज्ञानात्मक पक्ष, (2) भावात्मक पक्ष, (3) क्रियात्मक पक्ष

52. स्वउपदेशन, स्वनिर्देसित चिन्तन व समाहित करने की प्रक्रिया है, जिसमें विद्यार्थी सीखता है

(a) परिचर्चा विधि द्वारा
(b) प्रयोगशाला व प्रयोग द्वारा
(c) पुस्तकालय संसाधनों एवं वेबसाइट द्वारा
(d) प्रोजेक्ट आधारित अधिगम द्वारा

UKPSC GDC 2017

Ans. (c) : स्वउपदेशन शिक्षा आत्म निर्देशित शिक्षा है, जो अनौपचारिक शिक्षा से सम्बन्धित है। स्वउपदेशन में बिना किसी मार्गदर्शन के स्वयं द्वारा सीखा जाता है।

53. शिक्षा परिवर्तन लाती है

(a) मूल्यों में
(b) अभिवृत्तियों में
(c) जीवन के उद्देश्य एवं अर्थ में
(d) उपरोक्त सभी में

UKPSC GDC 2017

Ans. (d) : शिक्षा वह प्रक्रिया है,जो व्यक्ति के मूल्यों तथा अभिवृत्तियों में परिवर्तन लाती है। शिक्षा वातावरण के साथ अनुकूलन स्थापित करती है, पूर्ण जीवन के उद्देश्यों एवं अर्थों को प्राप्त करने में सहयोग देती है।

54. निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सही है?

(a) शिक्षा एक कला है
(b) शिक्षा एक विज्ञान है
(c) यह न तो कला है और न ही विज्ञान
(d) कुछ सीमा तक यह एक कला है एवं कुछ सीमा तक यह विज्ञान है
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattishgarh ABEO-2013

Ans. (d) : यदि हम शिक्षा की विषयवस्तु, स्वरूप, विधि तथा उद्देश्यों का विश्लेषण करे तो पायेगें के शिक्षा न केवल कला है और न केवल विज्ञान है। अपितु वह कला तथा विज्ञान दोनों ही है। कला का अर्थ एक आदर्श प्रस्तुत करता है। कला हमें बताती है कि अभीष्ट क्या है, उद्देश्य तथा गन्तव्य क्या है। इस रूप में शिक्षा भी हमारे सम्मुख अनेक आदर्श प्रस्तुत करती है, अनेक उद्देश्य निश्चित करती है तथा गन्तव्य का निर्धारण करती है। शिक्षा विज्ञान भी है। विज्ञान हमें दक्षता पूर्वक कार्य करने की विधि से अवगत कराता है। यह ज्ञान को पूर्व नियोजित संगठित तथा मितव्ययिता पूर्वक प्राप्त करने की प्रविधियों से अवगत कराता है। अन्त में हम कह सकते हैं कि शिक्षा कुछ सीमा तक यह एक कला है एवं कुछ सीमा तक यह विज्ञान है।

55. एक ''राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली'' से अर्थ है

(a) सभी बालकों हेतु एकसमान शिक्षा प्रणाली।
(b) एक निश्चिय स्तर तक शिक्षा निःशुल्क हो।
(c) किसी विशिष्ट स्तर तक शिक्षा सर्वसुलभ हो।
(d) औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने हेतु सभी बालकों को समान अवसर प्राप्त होने चाहिएँ।

निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तरों के समुच्चय का चयन कीजिए :

(a) (a), (c) एवं (d) (b) (b), (c) एवं (d)
(c) (a), (b), (c) एवं (d) (c) (a), (b) एवं (c)

UGC NET/JRF July 2016 (Paper-II)

Ans. (b) एक राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली से अर्थ हैं।
(i) एक निश्चित स्तर तक शिक्षा निःशुल्क हो।
(ii) किसी विशिष्ट स्तर तक शिक्षा सर्वसुलभ हो।
(iii) औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने हेतु सभी बालकों को समान अवसर प्राप्त होने चाहिए।

56. शहरी क्षेत्रों में निजी विद्यालयों का आगमन निम्नांकित में से किसे सहयोग करता है?

(a) शैक्षिक संस्थाओं के मध्य अधिक्रमता
(b) शैक्षिक अवसर की समानता
(c) प्रतिष्ठासूचक स्तर समूहों की अधिक्रमता
(d) चयनात्मकता का पक्ष विकसित करना

निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तरो के समुच्चय का चयन कीजिए :

(a) (a), (b), (c) एवं (d) (b) (a), (b) एवं (c)
(c) (b), (c) एवं (d) (d) (a), (c) एवं (d)

UGC NET/JRF July 2016 (Paper-II)

Ans. (d) शहरी क्षेत्रों में निजी विद्यालयों का आगमन निम्न में सहयोग प्रदान करता है।
(i) शैक्षिक संस्थाओं के मध्य अधिक्रमता
(ii) प्रतिष्ठासूचक स्तर समूहों की अधिक्रमता
(iii) चयनात्मक का पक्ष विकसित करना।

57. अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से सीखने को कहा जाता है:

(a) मुक्त शिक्षा
(b) औपचारिक शिक्षा
(c) अंतदृष्टिपूर्ण शिक्षा
(d) संयोगवश सीखना अथवा आकस्मिक सीखना

NTA UGC NET/ JRF 2022

Ans. (d) : अनौपचारिक शिक्षा उस प्रकार की शिक्षा को संदर्भित करती है जो औपचारिक शैक्षिक संस्थानों, जैसे स्कूल और विश्वविद्यालयों के बाहर होती है। अनौपचारिक शिक्षा कही भी और कभी भी हो सकता है, स्व-निर्देशित अध्ययन, समुदाय की भागीदारी, अवकाश गतिविधियों और काम से संबंधित अनुभवों जैसे कई रूप ले सकता है। इस प्रकार की शिक्षा संरचित नहीं है और अक्सर औपचारिक योग्यता को ओर नहीं ले जाती है, लेकिन फिर भी यह ज्ञान एवं कौशल विकास का एक मूल्यवान स्रोत हो सकती है। इसलिए इसे आकस्मिक शिक्षा भी कहा जाता है। यह स्वभाविक या प्राकृतिक रूप से होती है।

(a) मुक्त शिक्षा:- उन शैक्षिक संस्थानों को कहते हैं जो प्रवेश से सम्बन्धित अवरोधों को समाप्त कर दिये है। अर्थात् ऐसे संस्थान में प्रवेश के लिए कोई शैक्षिक योग्यता की आवश्यकता न हो। दूर रहकर शिक्षा को ग्रहण कर सकेंगे।

(b) औपचारिक शिक्षा:- औपचारिक शिक्षा उस संरचित शिक्षा प्रणाली को संदर्भित करती है जो प्राथमिक स्कूल से विश्वविद्यालय तक चलती है। इसमें व्यवसायिक, तकनीकी और व्यवसायिक प्रशिक्षण के लिए विशेष कार्यक्रम शामिल है।

(c) अंतर्दृष्टिपूर्ण शिक्षण:- जब एक व्यक्ति संघर्ष से जूझ रहा हो तो किसी समस्या का समाधान अंतर्दृष्टि के झलक से अचानक से आ जाता है। वोल्फगैंग कोहलर ने अपने सिद्धांत में उन्होंने अन्तर्दृष्टि शब्द का प्रस्ताव किया है। जो परीक्षण और त्रुटि के साथ नहीं होता है बल्कि यह अनुभव के अचानक पुर्नगठन है।

58. पियाजे द्वारा अनुशंसित संज्ञानात्मक (कोंगनेटिव) विकास के निम्नलिखित चरणों को सही क्रम में रखें:

(A) गतिवाही अवस्था
(B) मूर्त परिचालन अवस्था
(C) पूर्व परिचालन अवस्था
(D) औपचारिक प्रचालनात्मक अवस्था

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) (A), (C), (D), (B) (b) (A), (B), (C), (D)
(c) (B), (C), (A), (D) (d) (A), (C), (B), (D)

NTA UGC NET/ JRF 2022

Ans. (d) : जीन पियाजे एक मनोवैज्ञानिक है, जिन्होंने अपने सिद्धांत में संज्ञानात्मक विकास का एक व्यवस्थित अध्ययन किया है जिसे चार चरणों में वर्गीकृत किया गया है। प्रत्येक चरण एक अलग तरीके से चितंन की विशेषता और उम्र से संबंधित है।

(i) गतिवाही अवस्था (जन्म से 2 वर्ष तक) - बच्चे अपने आसपास की दुनिया को समझने के लिए अपनी इन्द्रियों और पेशीय क्षमताओं का उपयोग करते हैं।
(ii) पूर्व परिचालक अवस्था (2 से 7 वर्ष) - बच्चे वस्तुओं और विचारों का प्रतिनिधित्व करने के लिए मानसिक प्रतीकों का विकास करते हैं। वे भाषा का प्रयोग करना शुरू कर देते हैं और नाटक खेलने में संलग्न हो जाते हैं।
(iii) मूर्त परिचालक अवस्था- (7 से 11 वर्ष)- बच्चे मूर्त वस्तुओं और घटनाओं के बारे में तार्किक और व्यवस्थित रूप से सोचने की क्षमता विकसित करते हैं।
(iv) औपचारिक प्रचालनात्मक अवस्था (11 से 15 वर्ष)- बच्चे अमूर्त सोच कौशल विकसित करते हैं और अमूर्त अवधारणाओं और काल्पनिक स्थितियों के बारे में तार्किक रूप से तर्क करने में सक्षम होते हैं।

59. सेट-I दिये गये रचनावादी उपागम के प्रतिपादकों के नाम को सेट-II में ज्ञान निर्मिति की संस्तुत प्रक्रियाओं से सुमिलेत कीजिए:

सेट-I (प्रतिपादक)	**सेट-II (ज्ञान निर्मित/प्रक्रियाएं)**
(A) जीन पियाजे	(i) सक्रियण, अनुरक्षण और दिशा आधारित अन्वेषणात्मक अधिगम उपागम
(B) जेरोम ब्रूनर	(ii) अग्रिम संगठक, व्याख्यात्मक संगठन और तुलनात्मक संगठक पर आधारित अधिगमकर्ता का उपागम
(C) डेविड ऑसबेल	(iii) समकक्षी समूह आधारित अंतःक्रियात्मक और सामाजिक अधिगम उपागम
(D) लेव वाईगोत्स्की	(iv) आत्मसातीकरण, समंजन, अनुकूलन आधारित संज्ञानात्मक उपागम

नीचे दिये गये विकल्प को चुनिए:

(a) (A)-(iv), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iii)
(b) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(ii)
(c) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(iv), (D)-(i)
(d) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)

NTA UGC NET/JRF Dec 2019

Ans. (a) :

सेट-I	सेट-II
A. जीन पियाजे	आत्मसातीकरण समंजन, अनुकूलन आधारित संज्ञानात्मक उपागम
B.जेरोम ब्रूनर	संक्रियण अनुरक्षण और दिशा आधारित अन्वेषणात्मक अधिगम उपागम
C. डेविड आसुवेल	अग्रिम संगठक व्याख्यात्मक संगठन और तुलनात्मक संगठक पर आधारित अधिगमकर्ता का उपागम
D.लेव वाईगोत्स्की	समकक्षी समूह आधारित अंतःक्रियात्मक और सामाजिक अधिगम उपागम

60. व्यवहार परक उद्देश्यों के निर्माण का सही क्रम क्या है?

(a) व्यवहार की स्वीकार्यता के मानदंड, परिस्थितियां जिनमें व्यवहार होंगे, व्यवहार

(b) व्यवहार, स्वीकार्यता के मानदंड, परिस्थितियों जिनमें व्यवहार होंगे

(c) व्यवहार की परिस्थिति, व्यवहार, स्वीकार्यता के मानदंड

(d) विनिर्दिष्ट व्यवहार, ऐसी परिस्थितियां जिनमें व्यवहार घटित होंगे और व्यवहार की स्वीकार्यता के मानदंड

NTA UGC NET/JRF Dec 2019

Ans. (d) : व्यवहारपरक उद्देश्यों के निर्माण का सही क्रम निम्न हैं– विनिर्दिष्ट व्यवहार, ऐसी परिस्थितियाँ जिसमें व्यवहार घटित होगे एवं व्यवहार के स्वीकार्यता के मापदण्ड हो, क्योंकि किसी का व्यवहार घटित होने के लिए वातावरणीय परिस्थितियों का उपलब्ध होना आवश्यक है। उन परिरस्थितियों के अनुरूप घटित हुआ व्यवहार तभी स्वीकार्य माना जायेगा जब वह उपयुक्त मानदण्ड के अनुरूप घटित हुआ हो।

61. निम्नांकित में से कौन-सा समुच्चय वर्गिकी के ज्ञानात्मक, भावात्मक एवं मनोगतिक अनुक्षेत्रों के उच्चतम स्तर को क्रमवार संसूचित करता है?

(a) संश्लेषण, मूल्य निर्धारण, अभिव्यक्तिकरण

(b) विश्लेषण, आग्रहण, कुशल संचालन

(c) अनुप्रयोग, व्यवस्थापन, परिशुद्धता

(d) मूल्यांकन, चरित्र-धारिता, सहजीकरण

NTA UGC NET/JRF Dec 2019

Ans. (d) : जब इसका प्रयोग शिक्षा के क्षेत्र में किया जाता है तब इसका तात्पर्य शैक्षिक उद्देश्यों के साथ व्यवस्थित क्रम से होता है। इस प्रकार का व्यवस्थित क्रम या वर्गीकरण शिक्षा से सम्बन्धित प्रत्येक प्रकार के व्यक्ति के लिए उपयोगी होता है। इसका सर्वाधिक प्रचलित अनुक्रम ब्लूम का वर्गीकरण है। वर्गिकी के मूल्यांकन, चरित्रधारिता, सहजीकरण, ज्ञानात्मक, भावात्मक एवं मनोगतिक अनुक्षेत्रों के उच्चतम स्तर को क्रमवार संसूचित करता है।

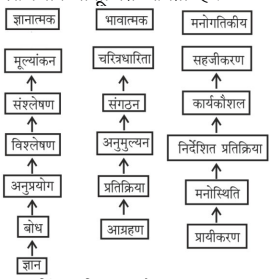

62. निम्नलिखित में से कौन सा कथन औपचारिक प्राधिकारी के रूप में शिक्षक से सम्बन्धित है?

(a) शिक्षक समुदाय का सदस्य भी है

(b) शिक्षक और शिक्षार्थी सामाजिकीकरण की प्रक्रिया के अंतर्गत कई तरीकों से आपस में जुड़े हो सकते हैं

(c) शिक्षक न केवल अनुदेशन का अभिकर्ता है अपितु वह नियंत्रण और मूल्यांकन का भी अभिकर्ता है

(d) शिक्षक के कुछ अधिकार और कर्तव्य होते हैं जो उसके पास वृहत्तर तंत्र में उसकी स्थिति से आते हैं

UGC NET/JRF Dec 2015 (Paper-III)

Ans. (c) औपचारिक प्राधिकारी के रूप में शिक्षक न केवल अनुदेशन का अभिकर्ता है अपितु वह मूल्यांकन और नियंत्रण का भी अभिकर्ता है।

63. सिनेमा को निम्नलिखित में से क्या माना जाता है?

(a) शिक्षा का गैर-औपचारिक अभिकरण

(b) शिक्षा का औपचारिक अभिकरण

(c) शिक्षा का अनौपचारिक अभिकरण

(d) शिक्षा का एक सक्रिय अभिकरण

UGC NET/JRF Dec 2014 (Paper-III)

Ans. (a) सिनेमा के माध्यम से व्यक्ति कभी भी कहीं भी और किसी भी रूप में कुछ न कुछ सीखते हैं इस प्रकार यह शिक्षा का गैर-औपचारिक अभिकरण है।

64. रूबरू होकर किया गया अनौपचारिक संवाद ग्राहक और उसकी समस्याओं सम्बन्धी जानकारी एकत्रित करने की सर्वोत्तम तकनीक है, कैसे?

(a) इससे ग्राहक और उसकी समस्या सम्बन्धी प्रत्यक्ष जानकारी लेने में सहायता मिलती है

(b) ग्राहक के साथ साक्षात्कार का आयोजन और साक्षात्कार करना बड़ा आसान है

(c) साक्षात्कार की वीडियोग्राफी की जा सकती है

(d) यह लचकीली है और इसमें ग्राहक सहज रहता है

UGC NET/JRF Dec 2013 (Paper-III)

Ans. (a) आमने सामने रूबरू होकर किया गया साक्षात्कार ग्राहक के जानकारी एकत्र करने की सर्वोत्तम तकनीक इसलिए मानी जाती है क्योंकि इससे ग्राहक एवं उसकी समस्या की प्रत्यक्ष जानकारी मिल जाती है।

65. परिवार बच्चे को शिक्षा प्रदान करता है

(a) औपचारिक रूप से (b) अनौपचारिक रूप से

(c) प्रयत्न सहित (d) नियमित रूप से

UPPSC GIC Pravkta 2012
UGC NET/JRF June 2012 (Paper-III)

Ans. (b) परिवार बालक की प्रथम पाठशाला होती है। बच्चे का समाजीकरण परिवार से शुरू होता है जिसमें वह परिवार के सदस्यों से बहुत सारे सामाजिक मूल्यों को सीखता है। परिवार बच्चे के सर्वांगीण विकास को सुगम बनाकर उसके व्यक्तित्व को ढ़ालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस प्रकार परिवार बच्चे के अनौपचारिक रूप से शिक्षा प्रदान करता है।

66. बालक की शिक्षा का प्रारम्भ कहाँ होता है?

(a) परिवार से (b) विद्यालय से

(c) कॉलेज से (d) समाज से

UP PGT 2005

Ans. (a) एक बालक के लिए परिवार ही उसकी प्रथम पाठशाला होती है, तथा उसके माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्य उसके पहले शिक्षक होते हैं, इसलिए बच्चों में विश्वासों परम्पराओं और रीति-रिवाजों को आकार देने में परिवार मुख्य रूप से उत्तरदायी होता है।

67. बच्चे को शिक्षा प्रदान करने वाली प्रथम संस्था है

(a) समाज (b) परिवार

(c) विद्यालय (d) जन-संचार

UPPSC GDC Pravkta 2008

Ans. (b) : परिवार बच्चे को शिक्षा प्रदान करने की प्रथम तथा प्राचीनतम संस्था है। माता-पिता का मुख्य दायित्व है- बच्चों को उचित ढंग से शिक्षित करना तथा शिक्षा की ओर उन्मुख करना।

68. परिवार, बच्चे को निम्न प्रकार से शिक्षा देता है-

(a) औपचारिक रूप से (b) अनौपचारिक रूप से
(c) जानबूझकर (d) नियमित रूप से

UGC NET/JRF Dec 2004

Ans. (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

69. औपचारिक शिक्षा का मुख्य केंन्द्र है

अथवा

अनौपचारिक शिक्षा की प्रमुख एजेन्सी है-

(a) घर (b) समाज
(c) रेडियो और टी.वी. (d) समाचार पत्र

UGC NET/JRF Dec 2004
UGC NET/JRF June 2012 (Paper-III)

Ans. (a) बालक के शिक्षा की शुरुआत उसके अपने घर से होती है। समाज में उसे कैसा व्यवहार करना है यह सब कुछ वह अपने घर से ही सीखता है, इसलिए घर को बालक की प्रथम पाठशाला कहा जाता है।

70. निम्नलिखित में से कौन सी अवधारणा औपचारिक संगठन से सम्बन्धित नहीं है।

(a) दिशा-निर्देश की इकाई (b) आदेशों की श्रृंखला
(c) नियन्त्रण का विस्तार (d) संरचना में पदानुक्रम

UGC NET/JRF June 2012 (Paper-III)

Ans. (d) औपचारिक संगठन वह संगठन होता है जिसमें कार्य कर्मचारी, दिशा निर्देश, अनुशासन और नियंत्रण पूर्व निर्धारित होते हैं और एक निश्चित नियम के अनुसार सभी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। इसके लिए आवश्यक है कि प्रशासकगण अपने से नीचे के लोगों को दिशा निर्देश प्रदान करें तथा सभी को अनुशासन के दायरे में रखकर नियंत्रित करें एवं अपना कार्य करते रहें। जबकि संरचना पदानुक्रम का होना हर संगठन में होता है।

71. निम्नलिखित में से कौन-सा शिक्षा के चार स्तंभों में नहीं है?

(a) भविष्य के लिए सीखना
(b) दूसरों के साथ शान्तिपूर्वक रहना सीखना
(c) काम के लिए सीखना
(d) ज्ञान के लिए सीखना

UGC NET/JRF Dec 2008

Ans. (d) ज्ञान अपने आप में वृहद शब्द है जिसमें सीखना समाहित है। शिक्षा प्राप्त करने का उद्देश्य किसी क्षेत्र में कौशल-प्रदान करना है जिससे रोजगार की प्राप्ति हो सके। शिक्षा, प्रेम, दया, सहानुभूति आदि सामाजिक मूल्य को सिखाती है जिससे एक-दूसरे के साथ शान्तिपूर्वक ढंग से रहा जाय।

72. निम्नलिखित में से कौन-सी अनौपचारिक संस्था है?

(a) खेल का मैदान (b) लाइब्रेरी
(c) सेमिनार (d) क्लास रूम

UGC NET/JRF Dec 2008

Ans. (b) पुस्तकालय एक ऐसी संस्था है जहाँ पर व्यक्ति/बालक जाकर अपनी विभिन्न समस्याओं का समाधान ढूँढ़ते हैं तथा अपनी जिज्ञासा को शांत करते है और इसके लिए समय की कोई बाध्यता नहीं होती है इसलिए यह एक अनौपचारिक संस्था है।

73. शिक्षा की औपचारिक संस्थाएँ अस्तित्व में आने का कारण क्या है?

(a) समाज अत्याधिक संश्लिष्ट हो गया और संस्कृति में विशिष्ट अभिव्यक्ति विकसित हो गई
(b) एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान का रूपान्तरीकरण समाज के लिए आवश्यक हो गया
(c) समाज और संस्कृति समय के साथ एकत्र हो गए
(d) समाज समझ गया कि हर व्यक्ति समाज के विकास में योगदान देता है।

UGC NET/JRF June 2008

Ans. (d) समाज के विकास में किसी एक व्यक्ति विशेष का हाथ नहीं होता वरन सम्पूर्ण समाज का होता है। ऐसे में समाज का विकास किस प्रकार होगा। यह समाज के नागरिक पर निर्भर करता है। नागरिक जितने अधिक योग्य, कार्य कुशल, व्यवहार कुशल और कर्मठ होंगे समाज का उतना विकास होगा। और ये योग्य, कर्मठ और कुशल व्यक्ति स्कूल तथा अन्य औपचारिक संस्थाओं से आते हैं, जिससे इसका अस्तित्व बढ़ गया । इसके अलावा सामाजिक प्रथा परम्पराओं का संवर्धन और संरक्षण तथा एक-पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तान्तरण भी औपचारिक संस्थाएं ही करती हैं।

74. निम्नलिखित में से कौन सी शिक्षा का औपचारिकेतर संस्था नहीं है?

(a) ज्ञान दर्शन (b) एजुसैट
(c) आभासी क्लासरूम (d) खेल मैदान

UGC NET/JRF June 2008

Ans. (d) खेल के मैदान में बालक अनौपचारिक रूप से गिनती, समय, दिशा, जोड़ तथा घटाना जैसी चीजें सीखता रहता है।

75. ''शिक्षा अच्छे नैतिक चरित्र का विकास है।''

(a) प्लेटो का (b) ड्यूवी का
(c) रूसो का (d) हरबर्ट का

UPPSC GIC Pravkta 2012

Ans. (d) हरबर्ट के अनुसार, ''शिक्षा नैतिक चरित्र का उचित विकास है।''

76. निम्नलिखित में से कौन-सा गुणात्मक अध्ययन से सम्बन्धित है?

(a) तुलना (b) भविष्य कथन
(c) सह सम्बन्ध (d) खोज करना

UPPSC GIC Pravkta 2012

Ans. (a) तुलना गुणात्मक अध्ययन से सम्बन्धित है, गुणात्मक अध्ययन में गुणात्मक प्रकृति के चरो तथा उनसे प्राप्त प्रदत्तों का सकलन व विश्लेषण किया जाता है, गुणात्मक अध्ययन में भाषिक सूचनाओं वाले ऐसे प्रदत्तो का अध्यन नहीं किया जाता जिनमें चरो को मात्रा के रूप में मापित किया गया हो।

77. ''समस्या के समाधान हेतु एक प्रस्तावित हल के रूप में परिकल्पना को परिभाषित किया जा सकता है।'' यह कथन है

(a) मैकगुएन का (b) करलिंगर का
(c) एडवर्ड्स का (d) टाउनसेन्ड का

UPPSC GIC Pravkta 2012

Ans. (a) एफ.जे. मैकगुएन ने परिकल्पना के अर्थ को स्पष्ट करते हुए कहा कि, परिकल्पना दो या अधिक चरों के बीच सम्भावित सम्बन्ध का एक परीक्षणीय कथन है।

78. पाठ्यक्रम परिवर्तन निम्नलिखित में से किस पर विचार करता है?

(A) लक्ष्यों और उद्देश्यों में परिवर्तन
(B) विषय-वस्तु में परिवर्तन
(C) आधारभूत संरचना में परिवर्तन
(D) शिक्षण के तरीकों में परिवर्तन
(E) मूल्यांकन प्रक्रिया में परिवर्तन
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिये:

(a) (A), (B), (C) और (D)
(b) (A), (C), (D) और (E)
(c) (B), (C), (D) और (E)
(d) (A), (B), (D) और (E)

NTA UGC NET/JRF Dec 2019

Ans. (d) : संकुचित अर्थ में शिक्षा केवल स्कूली शिक्षा या पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित था। परन्तु विस्तृत अर्थ में पाठ्यक्रम के अंतर्गत वह सभी अनुभव आ जाते हैं, जिन्हें एक नयी पीढ़ी अपनी पुरानी पीढ़ियों से प्राप्त करती है। साथ ही विद्यालय में रहते हुए शिक्षक के संरक्षण में विद्यार्थी जो भी क्रियायें करता है वह सभी पाठ्यक्रम के अंतर्गत आते हैं।

जब कोई व्यक्ति पाठ्यक्रम में परिवर्तन करना चाहता है तो उसे निम्नलिखित बिन्दुओ पर विचार करना चाहिए-

(i) इसके लिए वह विषयवस्तु में परिवर्तन करेगा।
(ii) जब विषय वस्तु में परिवर्तन करेगा तो उसके लक्ष्य और उद्देश्य में परिवर्तन भी होगा।
(iii) विषय वस्तु बदलेगा तो शिक्षण के तरीकों में भी परिवर्तन आयेगा।
(iv) शिक्षण में परिवर्तन होने के बाद उसके मूल्यांकन प्रक्रिया में भी परिवर्तन हो जाता है।

अतः इन सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद ही हमें पाठ्यक्रम परिवर्तन करना चाहिए।

79. आधुनिक भाषायी विश्लेषण किस विषय में प्रयुक्त भाषा को सम्मान देगा?

(a) सामाजिक विज्ञान (b) भैतिकी तथा गणित
(c) प्रदर्शन कला (d) दर्शन और मनोविज्ञान

UGC NET/JRF 22 July 2018 (Re Exam)

Ans. (b) : आधुनिक भाषायी विश्लेषण भौतिकी तथा गणित विषय में प्रयुक्त भाषा को सम्मान देगा।

80. औपचारिक शिक्षा को किसने 'विद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों के बाहर आयोजित' कहा?

(a) फिलिप कूम्ब (b) ला बेला
(c) इलिज (d) जॉन डीवी

UGC NET/JRF June 2006

Ans. (c) इवान इलिज ने अपनी पुस्तक 'डी-स्कूलिंग सोसाइटी' में कहा कि–समाज से विद्यालय को समाप्त कर देना चाहिए। उन्होंने औपचारिक शिक्षा को विद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों के बाहर आयोजित होने वाली प्रक्रिया कहा था।

81. शिक्षा में पूर्ण जीवन की तैयारी के लक्ष्य का समर्थन किसने किया था?

(a) हरबार्ट (b) हरबर्ट स्पेंसर
(c) जॉन डीवी (d) प्लेटो

UGC NET/JRF June 2008

Ans. (b) हरबर्ट स्पेंसर ने शिक्षा द्वारा व्यक्ति पूर्ण जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करे इसका समर्थन किया था। पूर्ण जीवन से आशय है जैविक माँग, सामाजिक माँग, सुरक्षा प्रेम, प्रतिष्ठा तथा सबसे अन्त में आत्मानुभूति, जो शिक्षा के द्वारा ही प्राप्त हो सकती है।

82. विषय-वस्तु निर्माण की व्यवस्थित प्रक्रिया में निहित है–

(a) सामान्यीकरण, नाम और श्रेणीकरण
(b) प्रेक्षण, श्रेणीकरण और सामान्यीकरण
(c) समीकरण, अनुकूलन और वर्गीकरण
(d) सामान्यीकरण, संगठन और वर्गीकरण

UGC NET/JRF Dec 2007

Ans. (b) विषय-वस्तु निर्माण की प्रक्रिया होती है। इस प्रक्रिया में सर्वप्रथम प्रेक्षण तत्पश्चात् श्रेणीकरण और उसके बाद सामान्यीकरण किया जाता है।

83. 'इन्द्रियाँ ज्ञान का प्रवेशद्वार है', इस पर बल दिया गया हैं-

(a) रूसों (b) बेकन
(c) जॉन डीवी (d) कॉमनियस

UGC NET/JRF Dec 2007

Ans. (d) कॉमनियस ने इन्द्रियों द्वारा ज्ञान प्राप्त करने पर बल दिया है। इसके लिए उन्होंने इंद्रिय प्रशिक्षण पर बल दिया है। वह इन्द्रियों को ज्ञान का प्रवेश द्वार मानते थे, अतः जो भी ज्ञान इनके द्वारा प्रत्यक्ष रूप से प्राप्त किया जाता है वही वास्तविक ज्ञान है। कॉमनियस ने शिक्षण विधि में विशेष योगदान दिया है। इनके द्वारा विकसित सूत्र हैं – (1) ज्ञानेन्द्रियों द्वारा ज्ञान दिया जाए, (2) शिक्षा मातृभाषा में दी जाए, (3) ज्ञान को रटाया न जाए अपितु बच्चों के अनुभव के आधार पर विकसित किया जाए।

84. शिक्षा में गृह की भूमिका-

(a) ज्ञान प्राप्ति में बालक को सहायता प्रदान करना
(b) शाला के कार्य में हस्तक्षेप करना
(c) शिक्षा का मूल्य के रूप में स्वीकार करना और इसकी धारणा को शक्ति प्रदान करना
(d) शाला को सहायता प्रदान करना और विनियुक्त करना

UGC NET/JRF June 2006

Ans. (a) परिवार बालक की प्रथम पाठशाला है भविष्य में जो भी बालक है या बनाना चाहता है उसको आधारशिला प्रथम 5 वर्ष में तैयार हो जाती है। इस समय जो कुछ बालक सीखता है उसका मुख्य आधार परिवार होता है। इसके अतिरिक्त ज्ञान प्राप्ति की जिज्ञासा परिवार से निर्देशन से ही पूर्ण होती है। परिवार स्कूल में सीखे गए मूल्यों की स्थायित्व प्रदान करता है।

85. लोकतंत्र में शिक्षा का समुचित महत्व क्या है?

(a) वह मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है
(b) वह राजनीतिक सत्ता हथियाने में सहायक होती है
(c) वह योग्य कर्मचारियों की पूर्ति करती है
(d) वह मनुष्यों को मुक्त व्यवहार के सक्ष्म बनाती है सामाजिक व्यवहार में सक्षम

UGC NET/JRF June 2006

Ans. (d) लोकतांत्रिक शिक्षा से तात्पर्य है कि सभी को अपनी योग्यता एवं क्षमता के अनुसार शिक्षा प्राप्त हो सके, और एक शिक्षित व्यक्ति ही लोकतांत्रिक समाज में अपने अधिकारों की पहचान एवं रक्षा कर सकता है। लोकतंत्र में शिक्षा मनुष्य को मुक्त एवं सामाजिक व्यवहार में सक्षम बनाती है। ऐसे व्यक्ति ही समाज एवं राष्ट्र का समुचित नेतृत्व कर सकते हैं।

86. 'बुद्धिमत्ता की ओर अग्रसर ज्ञान सही शिक्षा है'' यह कथन है।

(a) ऋग्वेद का (b) छान्दोग्य उपनिषद् का
(c) सामवेद का (d) भगवद् गीता का

UGC NET/JRF Dec 2012 (Paper-III)

Ans. (b) छान्दोग्य उपनिषद् में कहा गया है- बुद्धिमत्ता की ओर अग्रसर ज्ञान सही शिक्षा है।